हम्बोल्ट ग्लेशियर

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

वेनेज़ुएला विश्व का पहला ऐसा देश बन गया है, जहाँ जलवायु परिवर्तन के कारण सभी ग्लेशियर समाप्त हो गए हैं।

- शेष **बचा हुआ ग्लेशियर**, [हम्बोल्ट] काफी सिकुड़ गया है और अब इसे **सामान्य बर्फ क्षेत्र** के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है।
- इससे पहले **वेनेज़ुएला** के **सिएरा नेवादा डी मेरिडा पर्वत शृंखला में 6 ग्लेशियर** (वर्ष 2011 तक पाँच ग्लेशियर समाप्त हो चुके थे), थे, जो सभी समुद्र तल से लगभग 5,000 मीटर की ऊँचाई पर **एंडीज़ पर्वत** शृंखला में अवस्थित थे।
- एंडीज़ स्थित पर्वतों के तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे ग्लेशियर पिघलने की गति में तेज़ी आई है।
    - ये **दक्षिण अमेरिका की पर्वत प्रणालियाँ हैं जिनकी औसत ऊँचाई 8,900 किलोमीटर** है।
    - यह **दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी सिरे** से लेकर कैरेबियन पर महाद्वीप के सबसे उत्तरी तट तक **अर्जेंटीना, बोलीविया, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू और वेनेज़ुएला** के कुछ हिस्सों को कवर करता है।
- हम्बोल्ट ग्लेशियर के पिघलने में [अल नीनो] **के कारण** तेज़ी आई, जिसका प्रभाव जुलाई 2023 में देखा गया।
- वेनेज़ुएला के समान दुनिया भर में कई ग्लेशियर अपेक्षा से अधिक तेज़ी से समाप्त हो रहे हैं, वर्ष 2023 के अध्ययन का अनुमान है कि मौजूदा **जलवायु परिवर्तन दर के कारण** वर्ष **2100 तक** दुनिया के दो-तिहाई ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं।
    - [हिंदू-कुश हिमालय] पर्वत शृंखला में [ग्लेशियर] अभूतपूर्व दर से पिघल रहे हैं और यदि [ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन] में भारी कमी नहीं की गई तो संभवतः वर्ष 2100 में उनमें बर्फ की मात्रा 80% तक कम हो सकती है।

//

और पढ़ें: अल नीनो 2023

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/humboldt-glacier